दूरी वाले/दुर्गम क्षेत्रों के कारण असंचालनीय हो ;

(ii) किसी ग्रामीण शाखा के कारोबार में वृद्धि, जिसके अतिरिक्त बैंक शाखा खोलना न्यायसंगत हो और यह शाखा अर्थक्षम हो सकती है ।

(iii) पर्वतीय/पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों के मामले में, इन क्षेत्रों को विधिवत वेटेज दिया जाना होता है ।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को स्वयं ही ग्रामीण क्षेत्रों में शाखायें खोलने की स्वतंत्रता दी गयी है बशर्ते कि उन्होंने अपेक्षित पूंजी पर्याप्तता संबंधी मानदंडों को पूरा कर लिया हो तथा विवेकपूर्ण लेखा मानकों का अनुपालन करते हों ।

उत्तर प्रदेश द्वारा केन्द्रीय ऋण का उपयोग

2798. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान केंद्रीय सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रतिवर्ष कितनी ऋण सहायता प्रदान की गई ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान उक्त सहायता से शुरू/कार्यान्वित किए गए कार्यों/कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) 1991–92 के वर्ष के दौरान राज्य में किन-किन क्षेत्रों में कार्यों/कार्यक्रमों को शुरू/कार्यान्वित किया जा रहा है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शान्ताराम पोटदुखे) : (क) उत्तर प्रदेश सरकार को पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष सामान्य केंद्रीय सहायता, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं तथा पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के अंतर्गत दी गई ऋण सहायता की राशि नीचे दी गई है :—

वर्ष	(करोड़ रुपए में)
1989–90	725.84
1990–91	902.58
1991–92	1340.43

(ख) और (ग) राज्यों को उनके वार्षिक योजना परिव्ययों तथा अन्य क्षेत्र कार्यक्रमों की वित्त व्यवस्था के लिए सहायता एक मुश्त ऋणों तथा एकमुश्त अनुदानों के रूप में दी जाती है और वे किसी खास कार्य/कार्यक्रम से जुड़े हुए नहीं होते हैं ।

Complaint by officers of, Stats Bank of Saurashtra

2799. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Officers of the State Bank of Saurashtra have complained against discriminatory attitude of the Slate Bank of India towards their bank; and

(b) if so, what action Government have taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) and (b) The information is being collected and to the extent available, will be laid on the Table of the House.

US bank advnces to Indian for purchase of can made in USA

2800. SHRI CHATURANAN MISH RA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a US Bank advanced money to Indian citizens for purchasing fancy cars made in USA;

(b) if so, whether it is also a fact that musclemen were engaged and cars were